0874412

कुल पृष्ठ संख्या 32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या..............................

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी ...

Candid...

(In F...

(In W...

परीक्षा...

शब्दों में...

नोट :– परीक्ष... के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय ..... गृहविज्ञान .....

परीक्षा का दिन ..... मंगलवार .....

दिनांक ..... 19-04-2022 .....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	09	19	04
2	04	20	04
3	08	21	X
4	01	22	X
5	1½	23	X
6	1½	24	X
7	1½	25	X
8	1½	26	X
9	1½	27	X
10	1½	28	X
11	1½	29	X
12	1½	30	X
13	1½	31	X
14	1½	योग	55½
15	1½	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	03	अंकों में	शब्दों में
17	03	56	छप्पन
18	03		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 3 4 4 1 2

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 169/2021

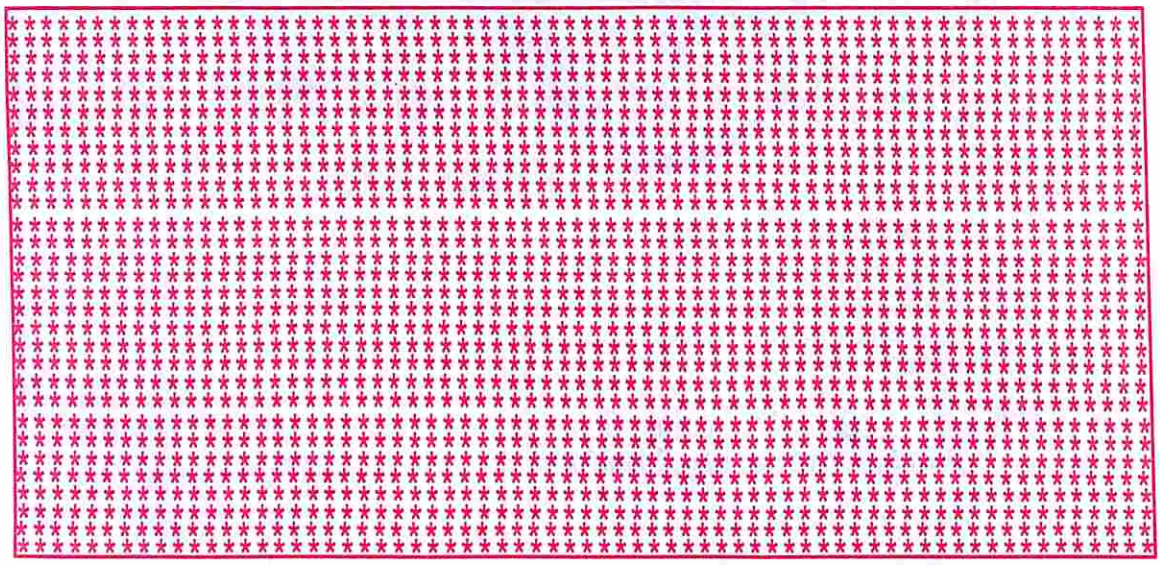

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		खण्ड - अ
	1.	बहुविकल्पी प्रश्न :-
01	(i)	(द) लंगर
01	(ii)	(स) रतौंधी
01	(iii)	(द) उपरोक्त सभी
01	(iv)	(ब) माँ
01	(v)	(द) यह सभी
01	(vi)	(अ) नारंगी
01	(vii)	(अ) ह्यू, मान, तीव्रता
01	(viii)	(स) चार
+ 01	(ix)	(ब) ओलंपिक
09		
	2.	रिक्त स्थानों की पूर्ति :-
01	(i)	शुद्ध ऊन से बने वस्त्रों पर वूल मानक चिन्ह होता है।
01	(ii)	दृष्टि दोष में कम दृष्टि और पूर्ण अंधापन वाले बच्चे शामिल हैं।
01	(iii)	वर्णक्रम सात रंगों को दर्शाता है।
+ 01	(iv)	रेड रिबन एक्सप्रेस एच.आई.वी / एड्स की जागरूकता हेतु अभियान है।
04		
	3.	अति लघूत्तरात्मक :-
01	(i)	मिलावट :- किसी खाद्य पदार्थ में से कोई अभिन्न तत्व निकालना या उसमें कोई बाह्य तत्व मिलाना, जिससे पदार्थ की गुणवत्ता, संयोजन व प्रकृति में गिरावट आए, जो मनुष्य के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डाले उसे मिलावट युक्त भोज्य पदार्थ कहा जाता है।
04		

BSER-169/2021

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
+		
01	(ii)	**गरीबी रेखा** :- आय का वह न्यूनतम स्तर जो किसी देश में व्यक्ति के जीवन का उपयुक्त स्तर मापने हेतु आवश्यक है, इसमें भोजन, मकान व वस्त्र सम्मिलित है।
01	(iii)	आहार चिकित्सा देने वाले व्यक्ति **चिकित्सीय आहार विशेषज्ञ** कहते हैं।
01	(iv)	**रोजगार संतुष्टि** :- इसका अर्थ है व्यक्ति को कार्य से प्राप्त संतुष्टि, जो एक प्रवृत्ति है। इससे कर्मचारी का आत्मबल, आत्मनिर्भरता में वृद्धि होती है, तथा संगठन को इससे उच्च उत्पादकता व कार्य निष्पादन में लाभ होता है।
01	(v)	डिजाइन के मुख्य दो कारक हैं-
	(i)	**तत्व** :- ये कला के उपकरण है।
	(ii)	**सिद्धान्त** :- ये वे नियम है जो संचालित करते है जिस प्रकार तत्वों को इष्टतम रूप से मिलाया जाए।
01	(vi)	**दिवस देखभाल केन्द्र (डे केयर सेन्टर)** :- यह एक व्यवस्थागत संस्था है, जो विद्यालयी पूर्व वर्षो में देखभाल करते है, इन्हे विद्यालयी पूर्व बच्चे व शिशू भी सम्मिलित है। **शिशु केन्द्र (क्रेच)** :- यह छोटे बच्चो की घर में देखभालकर्ता की अनुपस्थिति में देखभाल करते है, ये भी पूरे दिन देखभाल वाले केन्द्र है

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
01	(vii)	एस. ई. एन का पूरा नाम :- विशेष शिक्षा आवश्यकताएँ
+01 (08)	(viii)	विशेष शिक्षा :- विशेष शिक्षा विशेष का अर्थ विशेष आवश्यकताओ को प्रदान किए जाने वाले शैक्षिक प्रावधान से है अर्थात् विशेष आवश्यकताओ वाले बच्चों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा।
		खण्ड - ब
		लघूत्तरात्मक :-
	4.	बाल-श्रम रोकने के उपाय :-
	(i)	बाल श्रम, श्रम के सबसे गन्दे रूप को हटाने का प्रयास करेगे।
01	(ii)	विभिन्न प्रकार के बाल-श्रमों की पहचानकर बच्चों को उनसे निकलने में मदद का प्रयास करेगे।
	5.	आहार-विशेषज्ञ बनने के लिए तैयारी :-
1½	(i)	कम-से-कम आहिरिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा इन्टर्नशिप प्राप्त कर आहार-विशेष बन सकते है। जिनके पास जैव विज्ञान, जीव रसायन, सूक्ष्मजैविकी मे B.Sc की डिग्री है, जो इसमे प्रवेश कर सकते है।
	(ii)	खाद्य विज्ञान या पोषण में M.Sc. की डिग्री भी आहार-विशेषज्ञ बनने हेतु सहायक है।
	(iii)	विश्वविद्यालय स्तर की पढ़ाई पूर्ण करने के बाद 'पंजीकृत आहार विशेषज्ञ' के पाठ्यक्रम में प्रवेश कर आहार-विशेषज्ञता अर्जित कर सकते है, विभिन्न देशों में इस हेतु नियमक है।

P.T.O

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(iv)	शिक्षण और शोध में जीविका चयन करने पर शोध हेतु Ph.d डिप्लोमा आवश्यक है तथा शिक्षक बनने वर्तमान में ये आवश्यक हो गया कि व्यक्ति UGC की राष्ट्रीय व राज्य पात्रता परीक्षा उतीर्ण करे।
1½	6. (ii)	सेक्स आनुवांशिकी अंगो या जननांगो पर आधारित है, जबकि जेंडर कार्य पहचान पर आधारित है। लिंग में नर लड़के व आदमी को बताता है, तथा मादा शब्द लड़की व स्त्री को बताता है, जबकि जेन्डर के बारे में धारणा सामाजिक कार्य व अनुभवों के द्वारा पहचान होती है।
1½	7.	परम्परागत भोजन प्रणाली :- परम्परागत भोजन प्रणाली में जहाँ भोजन परोसना होता है, वही तैयार किया जाता है, भोजन को ठंडा या गर्म कर जितना जल्दी हो सके परोसने हेतु निकटवर्ती क्षेत्रों में वितरीत कर दिया जाता है। यह व्यक्ति पंसद, मौसम आधारित हेतु उपयुक्त है, तथा इसमें व्यंजन सूची हेतु लचीनापन होता है। उदाहरण :- विद्यालय / संस्था की कैंटीन तथा अस्तपाल।
1½	8. (i)	दतक ग्रहण :- इसका अर्थ है बच्चे को गोद लेना। प्राचीन समय में बच्चा परिवार से ही गोद लिया जाता था, इसमें सांस्कृतिक व धार्मिक परम्परा विद्यमान थी।
	(ii)	वर्तमान में घर से बाहर बच्चे को गोद लेना विधिक व संस्थागत बना दिया है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) इस हेतु भारत सरकार व राज्य सरकारें विभिन्न कानूनों (नीति) तथा कार्यक्रमों के द्वारा मार्गदर्शन प्रदान करती है, वहीं गैर सरकारी संगठन (NGO) इस हेतु विधिक सहायता सेवा प्रणाली प्रदान करते हैं।

(iv) इन नियमों को सशक्त बनाने तथा गोद लेने को सुगम बनाने के लिए सरकार ने एक केन्द्रिय संस्था CSSC तथा दतक ग्रहण संसाधन संस्था का निर्माण किया।

9. बच्चों के संवेदनशील होने के कारण :-

1½ (i) बाल्यावस्था अन्य क्षेत्रों में तीव्र विकास की अवस्था होती है, इस अवस्था में एक क्षेत्र का विकास दूसरे को बाधित कर सकता है, इसके लिए बच्चों की आश्रय, भोजन, स्वास्थ्य देखभाल संबन्धी जरूरते पूरी होनी चाहिए।

(ii) प्रतिकूल अनुभव भी विपरीत प्रभाव डाल सकता है।

(iii) बच्चे संवेदनशील होते है, किन्तु वे बच्चे बच्चे अधिक संवेदनशील होते है, कठिन परिस्थितियों में जीते है, तथा जिनकी मूलभूत आवश्यकताएँ पूरी नही हो पाती।

10. 1½

संस्था का नाम
स्थान
रसीद क्र. संख्या :-
वस्त्रों की संख्या :-
वस्त्रों के प्रकार यथा :-
कमीज / पेंट / पतलून
वस्त्र लेने की दिनांक :-
तैयार वस्त्र प्राप्ति दिनांक :-
विशेष क्षति :-
कुल मूल्य :-

धुलाई के कपड़ो की रसीद

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

11. समारोह प्रबन्धक बनने हेतु कौशल :-

(i) आकर्षक व्यक्तित्व

(ii) प्रभावी व धारा-प्रवाह बातचीत करने का कौशल।

(iii) लोगों को संगठित करने तथा ताल-मेल बैठाने का कौशल।

1½

(iv) लागत प्रभावी प्रणाली अपनाने का कौशल।

(v) प्रबन्धकीय कौशल जैसे :- बजट बनाना, आयोजन करना तथा सफल कार्मिक निदेशन।

(vi) पर्यावरण हितैषी क्रियाकलाप

(vii) अपशिष्ट हेतु विधि व प्रक्रिया निर्धारण का कौशल।

12. खाद्य गुणवत्ता :- खाद्य गुणवत्ता उन गुणों की ओर संकेत है जो उपभोक्ता को उत्पाद के गुणों द्वारा निर्धारित होती है, इसमें सकारात्मक गुण :- (जैसे - रंग, सुगन्ध तथा बनावट) व नकारात्मक गुण (संदूषण, मिलावट इत्यादि) शामिल है। यह एक परिपूर्ण संकल्पना है जिसमें पोषक विशेषताओं, संवेदनशील गुणों, सामाजिक-विचार व सुरक्षा का योग है।

1½

सुरक्षा, खाद्य पदार्थ का प्राथमिक गुण है।

13. व्यावसायिक भोजन सेवाएं :-

	मदिरालय
1.	उच्च स्तरीय होटल, रेस्टोरेन्ट
2.	स्पॉ, कैफेटेरिया
3.	चलती-फिरती दुकानें
4.	चाय-पानी की दुकानें
5.	बड़े संस्थानों की निजी कैटरिंग
6.	

1½

BSFR-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

14. अगर हमारा मित्र फैशन डिजाइनर बनना चाहता है, तो हम उसें निम्न प्रकार से मार्गदर्शित करेंगे :-

(i) अगर वह स्वयं का निजी उद्यम / दुकान खोलना चाहता है, तो डिग्री कार्यक्रम / एसोसिएट / प्रणामपत्र एवं अन्य कार्यक्रम प्राप्त कर सकता है।

1 1/2 (ii) विभिन्न कार्यक्रम छः महीने से लेकर एक वर्ष तक के होते है, ये छोटे इसलिए होते है क्योंकि अध्ययनकालीन प्रशिक्षण मूल रूप से रोजगार केन्द्र से जुड़े होते है। अगर वह जल्दी इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहता है, तो वह इस कार्यक्रम को कर सकता है।

(iii) इस क्षेत्र दो वर्ष का स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान प्राप्त कर सकता है, फैशन शैलियो का ज्ञान आवश्यक रूप से व्यापार में जोड़ने का कार्यक्रम प्रशिक्षण प्रदान करता है

(iv) इस क्षेत्र में चार वर्षीय कार्यक्रम सबसे उपयुक्त है, क्योंकि यह फैशन शैलियो को ही आवश्यक रूप से व्यापार में जोड़ने सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान करता है, हम अपने मित्र को फैशन व्यापार के क्षेत्र में प्रवेश करने हेतु इस कार्यक्रम को करने का मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

15. चयन :- अनुकूल एवं उपयुक्त व्यक्ति को कार्य हेतु नियुक्त करना।

0 1/2 भर्ती :- साक्षात्कार तथा परीक्षण आयोजित कर सन्दर्भो व प्रलेखों का सत्यापन कर सब आवेदकों में से सर्वोत्तम आवेदन को नियुक्त करना।

भर्ती एवं चयन का कार्य मानव संसाधन प्रबन्धन के अन्तर्गत आता है।

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	16	तीन मानक चिह्न :-

आई. एस. आई.

(Indian Standerd Institude)

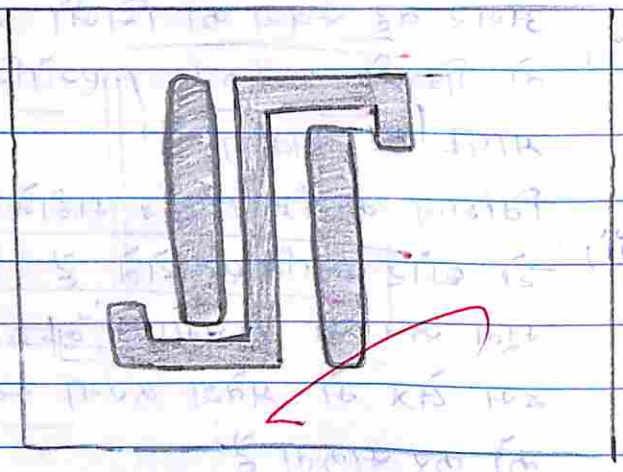

03

एगमार्क

(Agriculture Marketing)

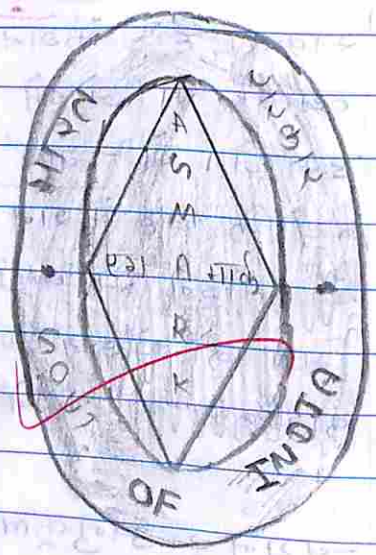

एफ. पी. ओ.

(~~Food~~ ~~fruit~~ Product Order)

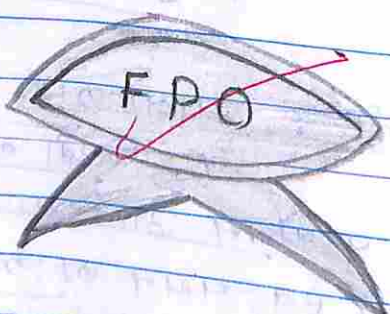

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	17.	वृद्धजनों के संस्थान में प्रबन्धक बनने के लिए ज्ञान तैयारी :-
	(i)	वृद्धजनों के बारे में जानने में रुचि रखकर।
	(ii)	उनकी आवश्यकताओं व क्षमता / अक्षमताओं के बारे में जानकारी रखकर।
03	(iii)	कई प्रकार के शैक्षिक पाठ्यक्रमों / डिग्री कार्यक्रमों में भाग लेकर।
	(iv)	उनके साथ रचनात्मक कार्य करने का कौशल सिखकर।
	(v)	सम्प्रेषणीय एवं प्रबंधकीय कौशल जैसे :- बजट बनाना, आयोजन, निर्देशित करके।
	(vi)	स्थान सम्बन्धी बुद्धिमता का प्रयोग करके।
	(vii)	उनके प्रति सम्मान एवं सहानुभूति रखने का कौशल प्राप्त करके।
	18.	कोरोना जागरूकता अभियान हेतु तीन नारे :-
	(i)	दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी!!
03	(ii)	सीताराम सीताराम कहिए, कोरोना से बचना है तो घर पर ही रहिए।
	(iii)	स्वच्छता को अपना है, कोरोना को मार भगाना है।
		खण्ड - द
		निबन्धात्मक प्रश्न :-
	19.	कार्यक्रम विकास चक्र
		चरण :-
	(i)	कार्यक्रम या विषय-वस्तु को परिभाषित करना

P.T.O

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

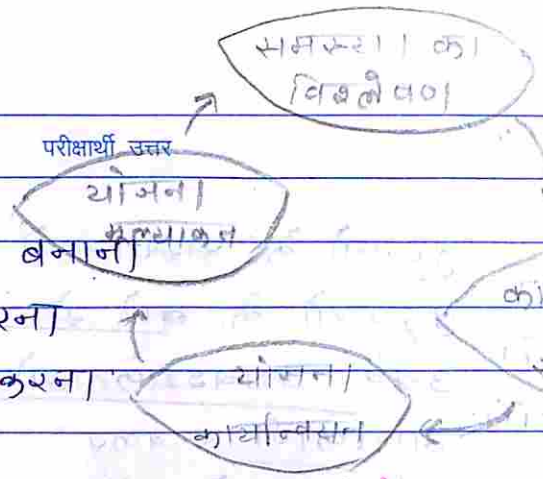

(ii) कार्य योजना की रूपरेखा बनाना
(iii) योजना को कार्यान्वित करना
(iv) कार्यक्रम का मूल्यांकन करना

04

(i) विषय-वस्तु को परिभाषित करना :- यह विकास कार्यक्रम का प्रथम चक्र है। इसमें विषय-वस्तु या सदर्भ को समझा व परिभाषित किया जाता। पणधारियों की भागीदारी से मुद्दे के प्रति बहु-आयामी अन्तर्दृष्टि दर्शायी जा सकती है, समस्या को समझने हेतु पिछले अनुभव, समुदाय व व्यक्तिगत ज्ञान, प्रचलित मानदण्ड, कार्य व्यवहार, सामाजिक-सांस्कृतिक आर्थिक परिप्रेक्ष्य के बारे में सूचना एकत्रित की जाती है। इसका अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पणधारी के बिच संवाद से आपसी समझ विकसित करना है जिसके, समस्याएं, आवश्यकता व जोखिमों के साथ-साथ मुद्दे का प्रत्यक्ष समाधान व उसकी प्राथमिकता के बारे में जानकारी प्राप्त की जाती है, तथा लक्ष्य के प्रति हितो का परिभाषित किया जा सकता है।

(ii) कार्य योजना की रूपरेखा बनाना :- कार्यक्रम की के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु जो कार्यनीति या योजना आवश्यक है, उनको निर्धारित किया जाता है। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक अभिकल्पन सुस्पष्ट उद्देश्य परिभाषित करने से आरम्भ होता है, सुस्पष्ट एंव मापय योग्य विधि से परिभाषित करने हेतु पथ-प्रदर्शक का कार्य करने के लिए सुस्पष्ट मापन, योग्य प्राप्य एंव यथार्थवादी समायोचित्र अपनाया जा सकता है

BSFR-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

दूसरे, उद्देश्यों को पूर्ण करने व सुधार हेतु जिन, संस्थाओं, पणधारियों की भागीदारी आवश्यक है, उनसे सम्पर्क किया जाता है, क्योंकि पणधारियों की कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति व प्रतिबद्धता भिन्न-२ हो सकती है।
कार्य नीति विकसित करते समय अपेक्षा निर्धारित करना, मूल्यांकन एवं मापन पर विचार आवश्यक है।

(iii) कार्य-योजना का क्रियान्वित करना :- एक बार कार्य-योजना के विकसित हो जाने के बाद संगत क्रियाकलापों के प्रत्यक्ष अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन व आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है कि योजना को क्रियान्वित किया जाए।

(iv) कार्यक्रम का मूल्यांकन करना :- योजनाबद्ध कार्यक्रम का मूल्यांकन अंतिम चरण है, यह चक्र को पूरा करता है। मूल्यांकन एक समयबद्ध प्रक्रिया है, जो सुव्यवस्थित रूप से निष्पक्षता की दृष्टि से चल रहे एवं पूर्ण हो चुके कार्यक्रम के संगत क्रियाकलापों की निष्पादन एवं उद्देश्य की प्राप्ति के निर्धारण हेतु किया जाता है। कार्यक्रम के मूल्यांकन कार्यक्रम के लाभ-कमी को दर्शाया जा सकता है। कार्यक्रम के मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति एवं प्रतिबद्धता मूल्यांकन को प्रभावित करती है, यदि मूल्यांकन सुधार की दृष्टि से किया जाए तो वह एक लाभकारी सिद्ध हो सकता है।
मूल्यांकन दो प्रकार से हो सकता है :-

(i) रचनात्मक
(ii) संकलनात्मक मूल्यांकन

BSER-169/2021

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
04	20.	उपभोक्ता के रूप में समस्याएँ :- गलत तौल एंव माप जानकारी का अभाव अधिक कीमत अपूर्ण एंव त्रुटिपूर्ण जानकारी

(i) गलत तौल एंव माप :- कभी-कभी ग्राहक को अपनी अदा की गई राशि से कम सामान या सेवाए प्रदान होती है, ऐसा इसलिए है या तो बाट उपभोक्ता (निर्माता) द्वारा बदल दिए जाते है, या गलत बाटो का प्रयोग किया जाता है, बिना सत्यापन मुहर वाले बाट नकली होते है।

(ii) जानकारी का अभाव :- उपभोक्ताओं को अपने कानूनों एंव अधिकारों के बारे में पर्याप्त जानकारी नही है, इसलिए वे विक्रेताओ द्वारा ठगे जाते है।

(iii) अधिक कीमत :- हालाकि उत्पाद की कीमत कई कारकों / कारणों से प्रभावित होती है, किन्तु फिर भी जब ग्राहको को पता चलता है कि उपभोक्ताओं को जानकारी नही है, तो उपभोक्ता से अधिक कीमत वसूल कर उन्हे ठगने का प्रयास करते है।

(iv) अपूर्ण एंव त्रुटिपूर्ण जानकारी :- विनिर्माताओ द्वारा उपभोक्ता को अपूर्ण एंव त्रुटिपूर्ण जानकारी प्रदान की जाती है जैसे :-

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	→	लेबल तथ्यात्मक रूप से सही नही होते है, उनकी शब्दावली ऐसी होती है, जिन्हे पढ़ पाना मुश्किल है।
	→	विज्ञापनों में उत्पाद की सामग्री एवं उनके उपयोग सम्बन्धी जानकारी नही होती है।
	→	टिकाऊ / गैर-टिकाऊ का निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शकों का अभाव।
	→	आकर्षक पैकिंग, सुसज्जित पैकिंग द्वारा उपभोक्ताओं को भ्रमित करना आदि।

56

समाप्त

34412

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

USER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021